भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1377
9 फरवरी, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्लास्टिक कचरे में वृद्धि

1377. श्री तालारी रंगैय्या :
रमेश .एस .वी .आर .श्री टी:
सुरेश .के .श्री डी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कोविड 19-महामारी के कारण समुद्रों में प्लास्टिक कचरे में वृद्धि को गंभीरता से लिया है;
(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस समस्या को कम करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के प्रबंधन के लिए प्रभावी तकनीकों के विकास के लिए कोई शोध कर रही है ; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां।
(ख) सरकार ने समय-समय पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) तथा मुखावरण / मास्क के उपयोग के बारे में दिशानिर्देश / मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) जारी की हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने "कोविड-19 मरीजों के उपचार / डायग्नोसिस / एकांतवास के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट के निपटान, रखरखाव एवं प्रबन्धन हेतु दिशानिर्देश" जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों में प्लास्टिक अपशिष्ट के निपटान, रखरखाव एवं प्रबन्धन सम्बन्धी चरण बताए गए हैं। इन दिशानिर्देशों में एक पृथक खण्ड है जिसमें घरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, शॉपिंग मॉल, संस्थानों, कार्यालयों आदि से निकलने वाले अपशिष्ट मास्क एवं दस्तानों के निपटान सम्बन्धी दिशानिर्देश जारी किए गए हैं1 इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन नियम, 2016 तथा इसके संशोधनों में सार्वजनिक अपशिष्ट का प्रबन्धन करने के लिए स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों, अपशिष्ट जनरेटर्स, खुदरा विक्रेताओं एवं सड़क पर सामान बेचने वालों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, कोविड-19 जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट के निर्माण एवं निपटान को ट्रैक करने के लिए केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने COVID19 BWM नामक एक ऐप बनाया है।
(ग) जी, हां।
(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) समुद्र तट पर कचरे (मुख्य रूप से मेसो, मैक्रो एवं माइक्रोप्लास्टिक) का परिमाणीकरण करने, तथा जल एवं तलछट में तथा भिन्न बायोटा समेत वाणिज्यिक मछलियों, बाइवाल्स्स तथा मोलुस्का में माइक्रोप्लास्टिक सम्बन्धी अनुसंधान गतिविधियां संचालित कर रहा है। मॉनसून ऋतु के दौरान पूर्वी तट पर माइक्रोप्लास्टिक की प्रचुरता में वृद्धि देखी गई है। नदी के मुहाने के निकटवर्ती स्थानों पर माइक्रोप्लास्टिक संकेन्द्रणों की संख्या काफी अधिक थी। समुद्र तट के कूड़े के सर्वेक्षण से पता चला है कि इंटरटाइडल जोन की तुलना में बैकशोर में अधिकतम संचयन होता है। इसके अलावा, शहरी समुद्र तटों में ग्रामीण समुद्र तटों की तुलना में संचयन दर अधिक है। एनसीसीआर के समुद्र-तट सफाई कार्यक्रम / गतिविधि के अन्तर्गत यह पाया गया था कि अधिकांश अपशिष्ट (50 प्रतिशत से अधिक) सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण होता है।

*****